अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय : ''चित्रा मुद्गल का व्यक्तित्व एवं कृतित्व'' 1-21

भूमिका

1.1 **चित्रा मुद्गल का जीवन परिचय**

1.1.1 जन्म

1.1.2 परिवार

1.1.2.1 दादा

1.1.2.2 दादी

1.1.2.3 पिता

1.1.2.4 माता

1.1.2.5 भाई-बहन

1.1.3 शिक्षा

1.1.3.1 चित्रा का शालेय जीवन

1.1.3.2 चित्रा का महाविद्यालयीन जीवन

1.1.4 **चित्रा का वैवाहिक जीवन**

1.1.5 **चित्रा का लेखकीय जीवन**

1.2 **चित्रा मुद्गल के व्यक्तित्व के विविध पहलू**

1.2.1 सामंती विचार-धारा की प्रबल विरोधक

1.2.2 स्वाभिमानी

1.2.3 आत्मविश्वासी

1.2.4 विद्रोही

1.2.5 समाजसेविका

1.2.6 आदर्श पत्नी तथा आदर्श माता

1.2.7 सादगीप्रिय

निष्कर्ष

1.3 **चित्रा मुद्गल का कृतित्व**

1.3.1 उपन्यास

1.3.1.1 एक जमीन अपनी

1.3.1.2 आवां

1.3.1.3 गिलिगडु

1.3.2	**कहानी संग्रह**
1.3.2.1	जहर ठहरा हुआ
1.3.2.2	लाक्षागृह
1.3.2.3	अपनी वापसी
1.3.2.4	इस हमाम में
1.3.2.5	ग्यारह लंबी कहानियाँ
1.3.2.6	जगदंबा बाबू गाँव आ रहे है
1.3.2.7	चर्चित कहानियाँ
1.3.2.8	मामला आगे बढ़ेगा अभी
1.3.2.9	जिनावर
1.3.2.10	दि हाइना एडं अदर स्टोरिज
1.3.2.11	केंचुल
1.3.2.12	भूख
1.3.2.13	लपटें
1.3.3	**बालसाहित्य**
1.3.3.1	बाल-उपन्यास
1.3.3.1.1	*माधवी कन्नगी*
1.3.3.1.2	*मणिमेखलै*
1.3.3.1.3	*जीवक*
1.3.3.2	बाल-कहानी संग्रह
1.3.3.2.1	*जंगल का राज*
1.3.3.2.2	*देश-देश की लोककथाएँ*
1.3.3.2.3	*नीति कथाएँ*
1.3.3.2.4	*सूझ-बूझ*
1.3.4	**संपादित कहानी संग्रह**
1.3.4.1	असफल दाम्पत्य की कहानियाँ
1.3.4.2	टूटते परिवारों की कहानियाँ
1.3.4.3	भीगी हुई रेत
1.3.4.4	पुरस्कृत कहानियाँ
1.3.5	**कविता**
1.3.6	**अनुवाद**
1.3.7	**स्तंभ लेखन**
1.3.8	**उपलब्धियाँ**

1.3.9 पाठ्यक्रमों में रचनाएँ
1.3.10 पुरस्कार एवं सम्मान
निष्कर्ष

द्वितीय अध्याय : '' 'आवां' उपन्यास का शिल्पगत अध्ययन'' 22-41

2.1 **उपन्यास की शिल्पविधि**
2.2 **'आवां' उपन्यास का शिल्पगत अध्ययन**
2.2.1 कथावस्तु
2.2.2 पात्र एवं चरित्र-चित्रण
2.2.3 कथोपकथन
2.2.4 देशकाल तथा वातावरण
2.2.5 उद्देश्य
2.2.6 भाषा-शैली
2.2.6.1 'आवां' उपन्यास की भाषा
2.2.6.2 'आवां' उपन्यास में प्रयुक्त शैली
निष्कर्ष

तृतीय अध्याय : '' 'आवां' उपन्यास में चित्रित प्रमुख नारी पात्र'' 42-69

भूमिका
3.1 **'आवां' उपन्यास में चित्रित पात्र**
3.2 **'आवां' उपन्यास में चित्रित पात्रों का वर्गीकरण**
3.2.1 प्रस्तुत उपन्यास में चित्रित प्रमुख पात्र
3.2.1.1 प्रमुख नारी पात्र
3.2.1.2 प्रमुख पुरुष पात्र
3.2.2 प्रस्तुत उपन्यास में चित्रित गौण अथवा सहायक पात्र
3.2.2.1 गौण नारी पात्र
3.2.2.2 गौण पुरुष पात्र
3.3 **प्रस्तुत उपन्यास में चित्रित प्रमुख नारी पात्रों का चरित्र-चित्रण**
3.3.1 नमिता
3.3.2 किशोरीबाई

3.3.3	अंजना वासवानी	
3.3.4	उर्मिला	
3.3.5	सुनंदा	
3.3.6	नीलम्मा	
3.3.7	स्मिता	
	निष्कर्ष	

चतुर्थ अध्याय : '' 'आवां' उपन्यास में चित्रित नारी के विविध रूप'' 70-96

	भूमिका	
4.1	**हिंदी उपन्यास साहित्य में नारी के विविध रूप : एक विवेचन**	
4.2	**'आवां' उपन्यास में चित्रित नारी के विविध रूप**	
4.2.1	नारी के पारिवारिक रूप	
4.2.1.1	माता	
4.2.1.2	कन्या	
4.2.1.3	पत्नी	
4.2.1.4	बहन	
4.2.1.5	विधवा	
4.2.2	नारी के अन्य रूप	
4.2.2.1	रखैल	
4.2.2.2	वेश्या	
4.2.2.3	दलाल मैडम	
4.2.2.4	भ्रष्ट नेता	
4.2.2.5	विद्रोही	
4.2.2.6	समाजसेविका	
4.2.2.7	कामकाजी नारी	
4.2.2.7.1	*अविवाहित कामकाजी नारी*	
4.2.2.7.2	*विवाहित कामकाजी नारी*	
4.2.2.7.3	*विधवा कामकाजी नारी*	
4.2.2.8	सहेली	
4.2.2.9	असफल प्रेमिका	
	निष्कर्ष	

SHIV... KOLHAPUR ★ LIBRARY

पंचम अध्याय : " 'आवां' उपन्यास में चित्रित नारी समस्याएँ" 97-122

भूमिका

5.1 हिंदी उपन्यास - साहित्य में नारी - चित्रण

5.2 'आवां' उपन्यास में चित्रित नारी समस्याएँ

5.2.1 आर्थिक समस्याएँ

5.2.2 नारी की बेरोजगारी की समस्या

5.2.3 नारी द्वारा नारी शोषण की समस्या

5.2.4 यौन शोषण की समस्या

5.2.4.1 बालिका का यौन शोषण

5.2.4.2 रिश्तेदारों से होनेवाले यौन शोषण

5.2.4.3 नौकरी-व्यवसाय में किए जानेवाले यौन शोषण

5.2.5 विधवाओं के पुनर्विवाह की समस्या

5.2.6 अंतर्जातीय प्रेमविवाह की समस्या

5.2.7 कुँआरी माता की समस्या

5.2.8 समलिंगी यौन संबंध की समस्या

5.2.9 अविवाहित कामकाजी नारी की समस्या

5.2.10 रखैल नारी की समस्या

5.2.11 परित्यक्ता नारी की समस्या

5.2.12 वेश्या नारी की समस्या

5.2.13 व्यसनाधिनता की समस्या

5.2.14 विवाह की समस्या

5.2.15 असफल प्रेम की समस्या

निष्कर्ष

उपसंहार 123-128

परिशिष्ट

संदर्भ ग्रंथ सूची

□□□